परिणाम

किसी भी शोध कार्य का यह भाग अति महत्वपूर्ण है। इस भाग के अध्ययन में सम्पूर्ण शोध के बारे में जानकारी प्राप्त होती है। अध्ययनकर्ता जब दूसरे शोधकर्ता के कार्य का अध्ययन करता है। तब मुख्यतः इस भाग का ही अध्ययन करता है। इस भाग में सम्पूर्ण कार्य की प्राप्तियाँ होती है। जो भावी शोधकार्य के लिए मार्गदर्शक के रूप में व तुलनात्मक अध्ययन करने में सहायता प्रदान करता है। वर्तमान शोध व पूर्व के शोध परिणामों में विभिन्नता होने पर सम्पूर्ण शोधकर्ता का दुबारा गइराई से अध्ययन करके नये नियमों व सिद्धान्तों की खोज करने की भी आवश्यकता होती है। जिससे भावी शोध कार्यो का मार्गदर्शन प्राप्त हो सके।

वर्तमान अध्ययन में हमने विभिन्न ग्रामीण और शहरी क्षेत्र की सरकारी एवं निजि उच्च माध्यमिक विद्यालयों के इस कार्य के प्रमुख परिणाम बिम्ब है।

- अलवर जिले के उच्च माध्यमिक विद्यालयों के क्षेत्र अनुसार शहरी और ग्रामीण क्षेत्र के विद्यालय के शिक्षकों की आत्म सम्प्रत्यय कसौटी के प्राप्तांकों के मध्यमान में सार्थक अन्तर नही होता।
- शिक्षक की क्षेत्र के अनुसार शहरी क्षेत्र के शिक्षक और ग्रामीण क्षेत्र के शिक्षक आत्म सम्प्रत्यय कसौटी के प्रदत्तों का मध्यमान क्रमशः 60.88 और 59.81 है। मानक विचलन क्रमशः 5.892 और 5.741 है। मानक त्रुटी क्रमशः 0.361 और 0.376 है तथा इनका टी मूल्य 2.059 है। जो 0.05 स्तर पर सार्थक अंतर है। अतः परिकल्पना अलवर जिले के उच्च माध्यमिक विद्यालयों के क्षेत्र अनुसार शहरी और ग्रामीण क्षेत्र के विद्यालय के शिक्षक की आत्म सम्प्रयय कसौटी के प्राप्तांक के मध्यमान में सार्थक अन्तर नही होता। अस्वीकृत की जाती है। अतः ग्रामीण और शहरी क्षेत्र के विद्यालय के शिक्षक की आत्म सम्प्रत्यय में क्षेत्र लेकर सार्थक अन्तर देखने को मिलता है। इसलिए कह सकते है कि ग्रामीण और शहरी क्षेत्र के विद्यालय के शिक्षक की आत्म सम्प्रत्यय समान नहीं है।

- अलवर जिले के उच्च माध्यमिक विद्यालयों के जाति अनुसार पुरूष शिक्षक और शिक्षिकाओं की आत्मप्रत्यय कसौटी के प्राप्तांकों के मध्यमान में सार्थक अन्तर नही होता।
- शिक्षक की जाति के अनुसार पुरूष शिक्षक और शिक्षिकाओं की स्व–सकल्पना कसौटी के प्रदत्तों का मध्यमान क्रमशः 60.56 व 60.20 है तथा इनका टी मूल्य 0.677 है। जो 0.05 स्तर पर सार्थक अन्तर नही है। अतः परिकल्पना अलवर जिले के उच्च माध्यमिक विद्यालय के जाति अनुसार पुरूष शिक्षक और शिक्षिकाओं की आत्म सम्प्रत्यय कसौटी के प्राप्तांक के मध्यमान में सार्थक अन्तर नहीं हुआ है। अस्वीकृत नहीं होता। अतः पुरूष शिक्षक और शिक्षिकाओं की आत्म सम्प्रत्यय में जाति को लेकर सार्थ अन्तर देखने को नही मिलता है। इसलिये यह कह सकते है कि पुरूष शिक्षक और शिक्षिकाओं की आत्म सम्प्रत्यय समान है।
- अलवर जिले के उच्च माध्यमिक विद्यालय के प्रकार में सरकारी और निजि विद्यालयों के शिक्षकों की आत्म सम्प्रत्यय कसौटी के प्राप्तांकों के मध्यमान में सार्थक अन्तर नही होगा।
- विद्यालय के प्रकार के अनुसार सरकारी और निजि विद्यालय के शिक्षक की आत्मसम्प्रत्यय कसौटी के प्रदत्तों का मध्यमान क्रमशः 60.34 और 60.42 है। मानक विचलन क्रमशः 5.947 और 5.773 है। मानक त्रुटी क्रमशः 0.411 और 0.338 है तथा इनका टी मूल्य 0.143 है। जो 0.05 स्तर पर सार्थक अंतर नही है। अतः परिकल्पना अलवर जिले के उच्च माध्यमिक विद्यालय के प्रकार में सरकारी और गैर सरकारी शिक्षक की आत्म सम्प्रत्यय कसौटी के प्राप्तांक के मध्यमान में सार्थक अन्तर नहीं हुआ। अस्वीकृत नही किया जाता। अतः सरकार और गैर सरकारी शिक्षक की आत्म सम्प्रत्यय विद्यालय के प्रकार को लेकर सार्थ अन्तर देखने को नहीं मिलता है। इसलिए कह सकते है कि सरकारी और गैर सरकारी शिक्षक की आत्म सम्प्रत्यय समान है।

- शिक्षक की शैक्षिक प्रवाह के अनुसार सामान्य प्रवाह और विज्ञान प्रवाह के माध्यमिक विद्यालय के शिक्षक की आत्म सम्प्रत्यय कसौटी के प्रदत्तों का मध्यमान क्रमशः 60.63 और 59.63 है। मानक विचलन क्रमशः 5.818 और 5.869 है। मानक त्रुटी क्रमशः 0.300 और 0.869 है तथा इनका टी मूल्य 1. 653 है। जो 0.05 स्तर पर सार्थक अन्तर नहीं है। अतः परिकल्पना अलवर जिले के उच्च माध्यमिक विद्यालय से संबंधित शैक्षिक प्रवाह रखने वाले सामान्य प्रवाह और विज्ञान प्रवाह के शिक्षक की आत्म सम्प्रत्यय कसौटी के प्राप्तांक के मध्यमान में सार्थक अंतर नही होगा। अस्वीकृत नही होगा। अतः सामान्य प्रवाह और विज्ञान प्रवाह के शिक्षक की आत्म सम्प्रत्यय में शैक्षिक प्रवाह लेकर कोई भी सार्थक अन्तर देखने को नहीं मिलता है। इसलिये कह सकते है कि सामान्य प्रवाह और विज्ञान प्रवाह के शिक्षक की आत्म सम्प्रत्यय समान है।

- शिक्षक की उम्र के अनुसार 20 से 40 और 41 से 60 उम्र के शिक्षक की आत्म सम्प्रत्यय कसौटी के प्रदत्तों का मध्यमान क्रमशः 60.59 और 59.80 है। मानक विचलन क्रमशः 5.748 और 6.072 है। मानक त्रुटी क्रमश 0.300 और 5.527 है तथा इनका टी मूल्य 1.303 है। जो 0.05 स्तर पर सार्थक अन्तर नही है। अतः परिकल्पना अलवर जिले के उच्च माध्यमिक विद्यालयों के उम्र के अनुसार 20 से 40 और 41 से 60 उम्र के शिक्षक की आत्म सम्प्रत्यय कसौटी के प्राप्तांक के मध्यमान में सार्थक अन्तर नही होता। अस्वीकृत नहीं किया जाता। अतः पुरूप शिकक्ष और शिक्षिकाओं की आत्म सम्प्रत्यय में उम्र को लेकर सार्थक अन्तर देखने को नही मिलता है। इसलिए कह सकते है कि 20 से 40 और 41 से 60 उम्र के शिक्षक आत्म सम्प्रत्यय समान है।

अनुसंधान अध्ययन से प्राप्त निष्कर्ष :

- अलवर जिले के उच्च माध्यमिक विद्यालयों क्षेत्र के अनुसार शहरी और ग्रामीण क्षेत्र के विद्यालय के शिक्षकों की आत्म–सम्प्रत्यय कसौटी के प्राप्तांकों के मध्यमान में सार्थक अंतर नहीं होगा, इस परिकल्पना को अस्वीकृत की जाती है। अतः शहरी और ग्रामीण क्षेत्र के विद्यालय के शिक्षकों की आत्म–सम्प्रत्यय में क्षेत्र को लेकर सार्थक अंतर देखने को मिला था। इसलिये कह सकते है कि, शहरी क्षेत्र और ग्रामीण क्षेत्र के विद्यालय के शिक्षकों की आत्म–सम्प्रत्यय समान नहीं है। अतः आत्म–सम्प्रत्यय पर क्षेत्र की असर होती है। यानिकी शहरी और ग्रामीण क्षेत्र होने से आत्म–सम्प्रत्यय में अंतर देखने को मिलता है।

- अलवर जिले के उच्च माध्यमिक विद्यालयों जाति के अनुसार पुरूष शिक्षक और शिक्षिकाओं का आत्म–सम्प्रत्यय कसौटी के प्राप्तांकों के मध्यमान में सार्थक अंतर नहीं होगा, इस परिकल्पना को अस्वीकृत नहीं किया जाता। अतः पुरूष शिक्षक और शिक्षिकाओं की आत्म–सम्प्रत्यय में जाति को लेकर सार्थक अंतर देखने को नहीं मिला था। इसलिये कह सकते है कि, पुरूष शिक्षक और शिक्षिकाओं का आत्म–सम्प्रत्यय समान होगी। अतः आत्म–सम्प्रत्यय पर जाति को कोई भी असर नहीं होता। यानिकी पुरूष शिक्षक और शिक्षिकाओं की जाति होने से आत्म–सम्प्रत्यय में अंतर देखने को मिला था।

- अलवर जिले के उच्च माध्यमिक विद्यालयों के प्रकार के अनुसार सरकारी और गैर सरकारी विद्यालय के शिक्षकों की आत्म–सम्प्रत्यय कसौटी के प्राप्तांकों के मध्यमान में सार्थक अंतर नहीं होगा, इस परिकल्पना को अस्वीकृत नहीं किया जाता। अतः सरकारी और गैर सरकारी विद्यालय के शिक्षकों का आत्म–सम्प्रत्यय में विद्यालय के प्रकार लेकर कोई भी सार्थक अंतर देखने को नहीं मिला था। इसलिये कह सकते है कि, सरकारी और गैर सरकारी विद्यालय के शिक्षकों का

आत्म–सम्प्रत्यय समान होगी। अतः आत्म–सम्प्रत्यय पर विद्यालय के प्रकार की कोई भी असर नहीं मिला था। यानिकी सरकारी और गैर सरकारी विद्यालय के प्रकार होने से आत्म–सम्प्रत्यय में अंतर देखने को नहीं मिला था।

- अलवर जिले के उच्च माध्यमिक विद्यालयों के शैक्षिक प्रवाह के अनुसार सामान्य प्रवाह और विज्ञान के प्रवाह के शिक्षकों की आत्म–सम्प्रत्यय कसौटी के प्राप्तांकों के मध्यमान में सार्थक अंतर नहीं होगा, इस परिकल्पना को अस्वीकृत नहीं किया जाता। अतः सामान्य प्रवाह और विज्ञान के प्रवाह के शिक्षकों का आत्म–सम्प्रत्यय में शैक्षिक प्रवाह को लेकर कोई भी सार्थक अंतर देखने को नहीं मिला था। इसलिये कह सकते है कि, सामान्य प्रवाह और विज्ञान के प्रवाह शिक्षकों का आत्म–सम्प्रत्यय समान होगी। अतः आत्म–सम्प्रत्यय पर शैक्षिक प्रवाह का कोई भी असर नहीं मिलता। यानिकी सामान्य प्रवाह और विज्ञान के प्रवाह होने से आत्म–सम्प्रत्यय में कोई भी अंतर देखने को नहीं मिला था।

- अलवर जिले के उच्च माध्यमिक विद्यालयों शिक्षकों की उम्र के अनुसार 20 से 40 और 41 से 60 उम्र के शिक्षकों की आत्म–सम्प्रत्यय कसौटी के प्राप्तांकों के मध्यमान में सार्थक अंतर नहीं होगा, इस परिकल्पना को अस्वीकृत नहीं किया जाता। अतः 20 से 40 और 41 से 60 उम्र के शिक्षकों का आत्म–सम्प्रत्यय में उम्र को लेकर कोई भी सार्थक अंतर देखने को नहीं मिला था। इसलिये कह सकते है कि, 20 से 40 और 41 से 60 उम्र के शिक्षकों का आत्म–सम्प्रत्यय समान होगी। अतः आत्म–सम्प्रत्यय पर उम्र का कोई भी असर नहीं मिलता। यानिकी 20 से 40 और 41 से 60 उम्र के शिक्षकों की उम्र होने से आत्म–सम्प्रत्यय में कोई भी अंतर देखने को नहीं मिला था।

अनुसंधान अध्ययन के सुझाव :

- आत्म–सम्प्रत्यय क्षेत्र आधारित है। इसलिए क्षेत्र को आत्म–सम्प्रत्यय के साथ जोड़ने की जरूरत है। शिक्षक किसी भी क्षेत्र का हो किन्तु उनकी आत्म–सम्प्रत्यय के विकास के लिए समान कार्यक्रम की योजना नहीं करनी चाहिए। क्षेत्र के आधारित आत्म–सम्प्रत्यय के विकास के लिये नये कार्यक्रम की योजना करने की जरूरत है।

- आत्म सम्प्रत्यय जाति आधारित नहीं है। इसलिए जाति को आत्म सम्प्रत्यय के साथ जोड़ने की जरूरत नहीं है। शिक्षक किसी भी जाति का हो किन्तु उनकी आत्म सम्प्रत्यय के विकास के लिए समान कार्यक्रम की योजना करनी चाहिए। जाति के आधारित आत्म सम्प्रत्यय के विकास के लिए किसी भी कार्यक्रम की योजना करने की जरूरत नहीं है।

- आत्म सम्प्रत्यय विद्यालय के प्रकार आधारित है। इसलिए विद्यालय के प्रकार को आत्म सम्प्रत्यय के साथ जोड़ने की जरूरत नहीं है। शिक्षक किसी भी विद्यालय के प्रकार का हो किन्तु उनकी आत्म सम्प्रत्यय के विकास के लिए समान कार्यक्रम की योजना करनी चाहिए। विद्यालय के प्रकार के आधारित आत्म सम्प्रत्यय के विकास के लिए किसी भी कार्यक्रम की योजना करने की जरूरत नहीं है।

- आत्म सम्प्रत्यय शैक्षिक प्रवाह आधारित नहीं है। इसलिए शैक्षिक प्रवाह को आत्म सम्प्रत्यय के साथ जोड़ने की जरूरत नहीं है। शिक्षक किसी भी शैक्षिक प्रवाह का हो किन्तु उनकी आत्म सम्प्रत्यय के विकास के लिए समान कार्यक्रम की योजना करनी चाहिए। शैक्षिक प्रवाह के आधारित आत्म सम्प्रत्यय के विकास के लिए किसी भी कार्यक्रम की योजना करने की जरूरत नहीं है।

- आत्म सम्प्रत्यय उम्र पर आधारित नहीं है। इसलिए उम्र को आत्म सम्प्रत्यय के साथ जोड़ने की जरूरत नहीं है। शिक्षक किसी भी उम्र का हो किन्तु उनकी आत्म सम्प्रत्यय के विकास के लिए समान कार्यक्रम की योजना करनी चाहिए। उम्र के आधारित आत्म सम्प्रत्यय के विकास के लिए किसी भी कार्यक्रम की योजना करने की जरूरत नहीं है।